प्रिय राधे प्रिय राधे राधे राधे प्रिया प्रिया

दोहा : श्रीराधे वृषभानुजा, भक्तन प्राणाधार |
वृन्दा विपिन विहारिन्नी , प्रन्नावो बारम्बार ||
जैसो तैसो रावरो, कृष्ण-प्रिया सुखधाम |
चरण शरण निज दीजियो, सुन्दर सुखद ललाम ||

जय राधा माधव, जय गोपी जन, श्री वृन्दावन धाम |
जय कालिनिदी, कूल लता, जय सुभग कुञ्ज अभिराम ||
जयति नन्द कुल, कुमुद कलाधर, कोटि काम छवि धार |
जय कीरति कुल, नवल च्द्रिका रसिक किशोरी ललाम ||
जयति नवनागरी रूप गुण आगरी, सकल सुख सागरी, कुवरी राधा |
जाती हरी भामिनी, शाम अर्धांगिनी, हरी प्रिया श्री राधा ||

प्रिय राधे प्रिय राधे, राधे राधे प्रिया प्रिया |
प्रिय श्यामा, प्रिय श्यामा, श्यामा श्यामा प्रिया प्रिया ||

राधे राधे प्रिया प्रिया, श्यामा श्यामा प्रिया प्रिया |

सर्व सदग्रंथ का सार जानो इसे,
श्री कृष्ण का मोहिनी मंत्र मानो इसे |
जाप कर इसका पापी अधम तर गए,
सैंकड़ो अपना जीवन सफल कर गए ||
ध्यान श्यामा के चरणों का करते रहो,
स्वास प्रति स्वास मन्त्र यही जपते रहो |
जय राधे राधे प्रिया प्रिया |
जय श्यामा श्यामा प्रिया प्रिया ||

मन्त्र की साधना जो ना अपनावे,
फंस के विषयों में जाने किधर जावे |

मन्त्र जपने से भवसिंधु तर जावे,
सुख सहित संतो से संग पावे |
श्याम सुंदर भी मन्त्र जपते जपते रहे |
प्रेम में राधिका नाम कहने लगे ||
जय राधे राधे प्रिया प्रिया |
जय श्यामा श्यामा प्रिया प्रिया ||

रास लीला में एक दिन राधा ना थी,
श्याम ललिता से बोले उनको बुला लीजिये |
मुस्कुरा के ललिता यह कहने लगी,
उनको मुरली सुना के मन लीजिये |
हस के श्याम मुरलिया बजने लगे,
और मुरली की धुन में येही गाने लगे |

जय राधे राधे प्रिया प्रिया |
जय श्यामा श्यामा प्रिया प्रिया ||

तान बंसरी की सुन, श्री राधिका चल पड़ी |
रास मंडल में थी साड़ी सखिया खड़ी ||
यह निराली अदा श्याम सिखला रहे |
देवता पुष्प थे सब पे बरसा रहे ||
कौन आया कौन गया यह कुछ भी पता नहीं |
मिल के सब एक स्वर में कहने लगे ||
जय राधे राधे प्रिया प्रिया |
जय श्यामा श्यामा प्रिया प्रिया ||

श्री राधिका श्याम सुन्दर के संग हो खड़ी,
रास मंडल की छोभा बढाने लगी |
राधा मोहन की मनमोहनी छबि निरख,
गोपिया नाचने और गाने लगीं |
बज रहे डोलना, छेने, मृदंग,
सब के मुख से निकल रहे यही बोल थे |
जय राधे राधे प्रिया प्रिया |
जय श्यामा श्यामा प्रिया प्रिया ||

श्याम उद्धव से एक दिन कहने लगे,
मधुपुरी का यह वैभव सुहाता नहीं |
क्या बताऊँ तुम्हे मेरे प्यारे सखा,
प्रेम ब्रज वासिओ का मैं भुला पाता नहीं |
इतना कहते ही सरकार आसूं बहाने लगे,
श्याम हो के विकल्प एही कहने लगे ||
जय राधे राधे प्रिया प्रिया |
जय श्यामा श्यामा प्रिया प्रिया ||

रुकमनी से कहा एक दिन श्याम ने,
द्वारिका में भी मनमौज मैं पाता नहीं |
जिन्हों ने निछावर मुझ पर सर्वस किया,
उनके ऋण से उऋण हो पाता नहीं |
आ गयी याद ब्रिन्दिन्हू बहाने लगे,
प्रेम में मस्त हो श्याम यह कहने लगे ||
जय राधे राधे प्रिया प्रिया |
जय श्यामा श्यामा प्रिया प्रिया ||

स्वर : श्री बलदेव कृष्ण सेहगल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/118/title/priye-radhe-priye-radhe--radhe-radhe-priya-priya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |